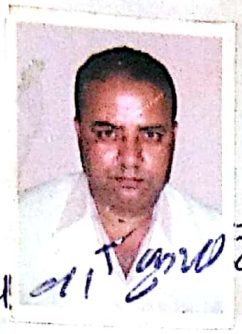

4604

न्यास विलेख

संस्थापकगण के नाम :

1. श्री पवन कुमार
2. श्री चैनपाल सिंह पुत्रगण स्व. श्री हुकुम सिंह
3. श्रीमति कुसुम देवी पत्नी पवन कुमार
4. श्रीमति बाला देवी पत्नी श्री चैनपाल सिंह

समस्त निवासीगण 20/9 इन्द्रबाबा मार्ग, किशनपुर, देहरादून।

न्यास का नाम : 'प्रगति श्रोत शिक्षा ट्रस्ट'

न्यास का पता : 113/2 राजपुर रोड, देहरादून।

न्यासिगण का नाम :

1. श्री पवन कुमार पुत्र स्व. श्री हुकुम सिंह
2. श्री चैनपाल सिंह पुत्र स्व. श्री हुकुम सिंह
3. श्रीमति कुसुम देवी पत्नी पवन कुमार
4. श्रीमति बाला देवी पत्नी श्री चैनपाल सिंह
5. श्री मोहित पुत्र श्री चैनपाल सिंह
6. श्री निशान्त पुत्र श्री पवन कुमार
7. श्री रोहित पुत्र श्री पवन कुमार

समस्त निवासीगण 20/9 इन्द्रबाबा मार्ग, किशनपुर, देहरादून।

स्टाम्प शीट : 22

रचयिता: आर०एस० राघव [illegible]

Scanned by CamScanner

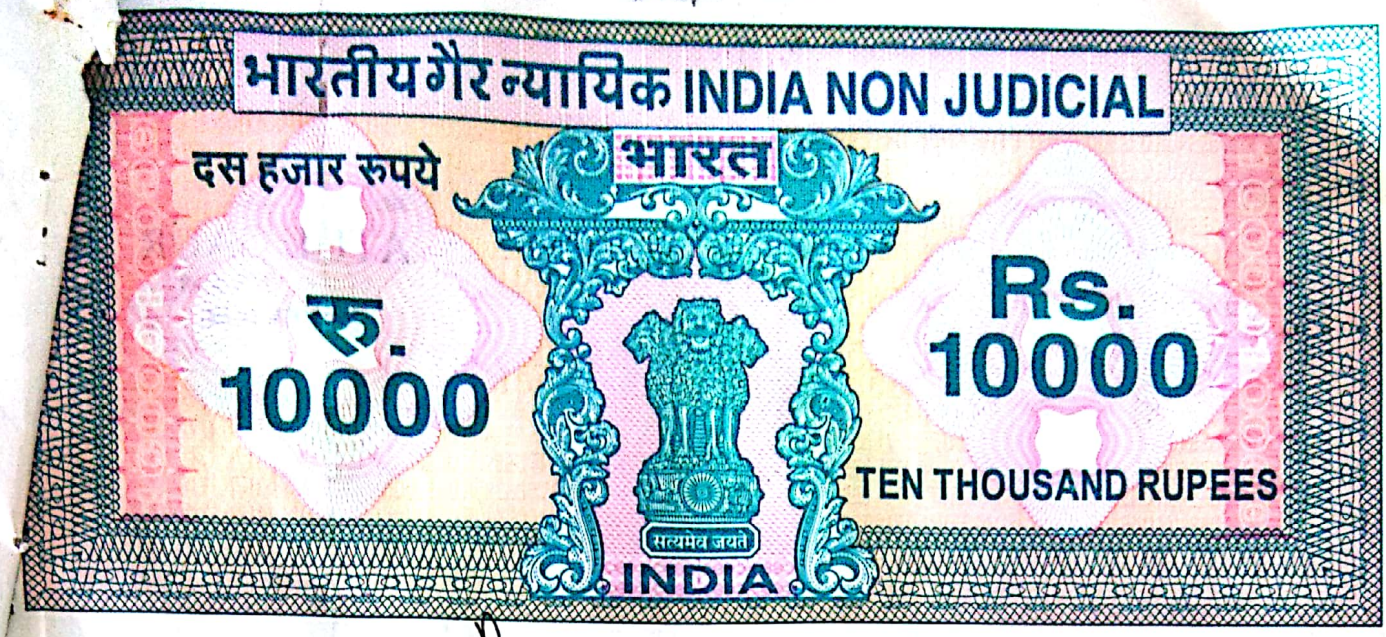

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

दस हजार रुपये

भारत

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

746634

11 JUN 2010

न्यास विलेख

1. संस्थापक के नाम
2. न्यास का नाम
3. न्यास का पता
4. न्यासियों के नाम व पतें
5. न्यास के उददेश्य
6. न्यास के अधिकार
7. न्यास समिति का गठन एवं अधिकार
8. न्यास की सम्पत्तियों का नियंत्रण
9. न्यास की पूंजी
10. न्यास की सम्पत्तियां
11. स्टाम्प शुल्क

चैनपाल सिंह बांलादेवी

पवन कुमार कुसुम

(2)

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

746166

11 JUN 2010

1. संस्थापक के नाम :

1. श्री पवन कुमार पुत्र स्व. श्री हुकुम सिंह
2. श्री चैनपाल सिंह पुत्र स्व. श्री हुकुम सिंह
3. श्रीमति कुसम देवी पत्नी पवन कुमार
4. श्रीमति बाला देवी पत्नी श्री चैनपाल सिंह

समस्त निवासीगण 20/9 इन्द्रबाबा मार्ग किशनपुर देहरादून।

चैनपाल सिंह बाला देवी

पवन कुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

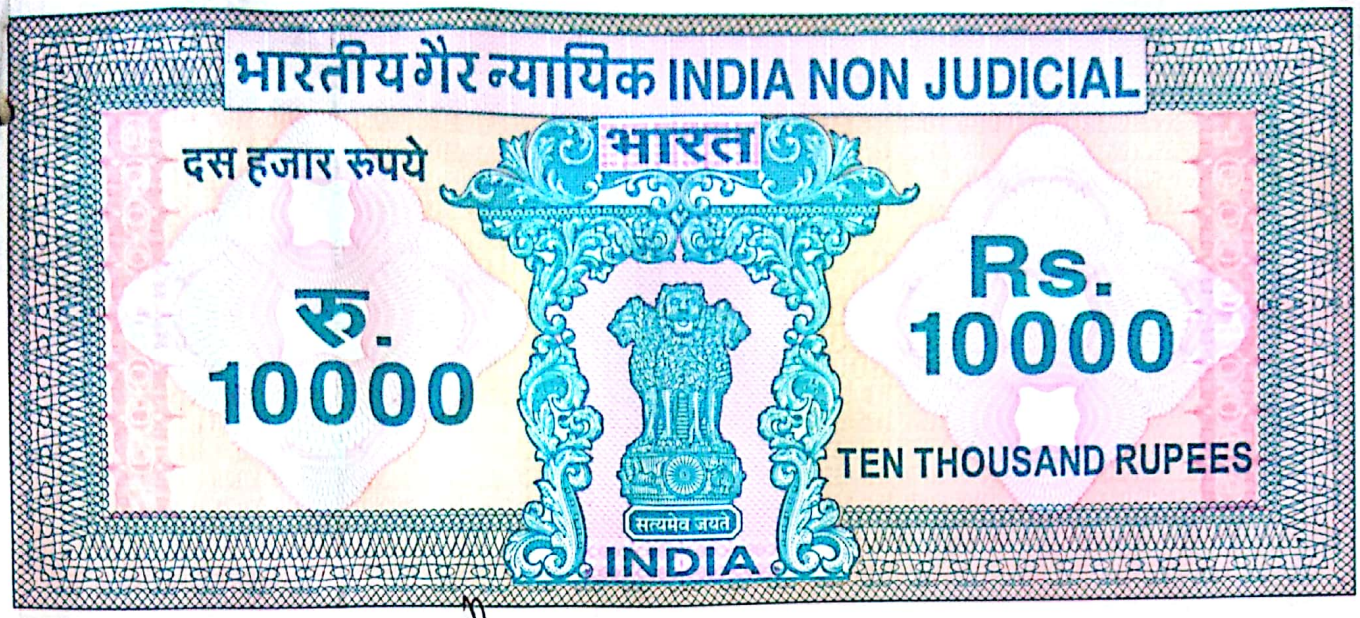

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

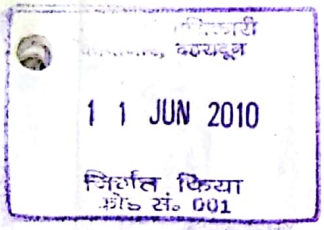

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

745437

...नीकारी
..., देहरादून
1 1 JUN 2010
निर्गत किया
क्र० सं० 001

2. न्यास का नाम :

'प्रगृति श्रोत शिक्षा ट्रस्ट' होगा। यह एक लाभ हानि रहित न्यास होगा। न्यास को प्राप्त धनराशि का उपयोग केवल न्यास के उददेश्यों के अनुसार ही किया जा सकेगा। उक्त न्यास का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

चैनपाल सिंह बाला देवी
पवन कुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

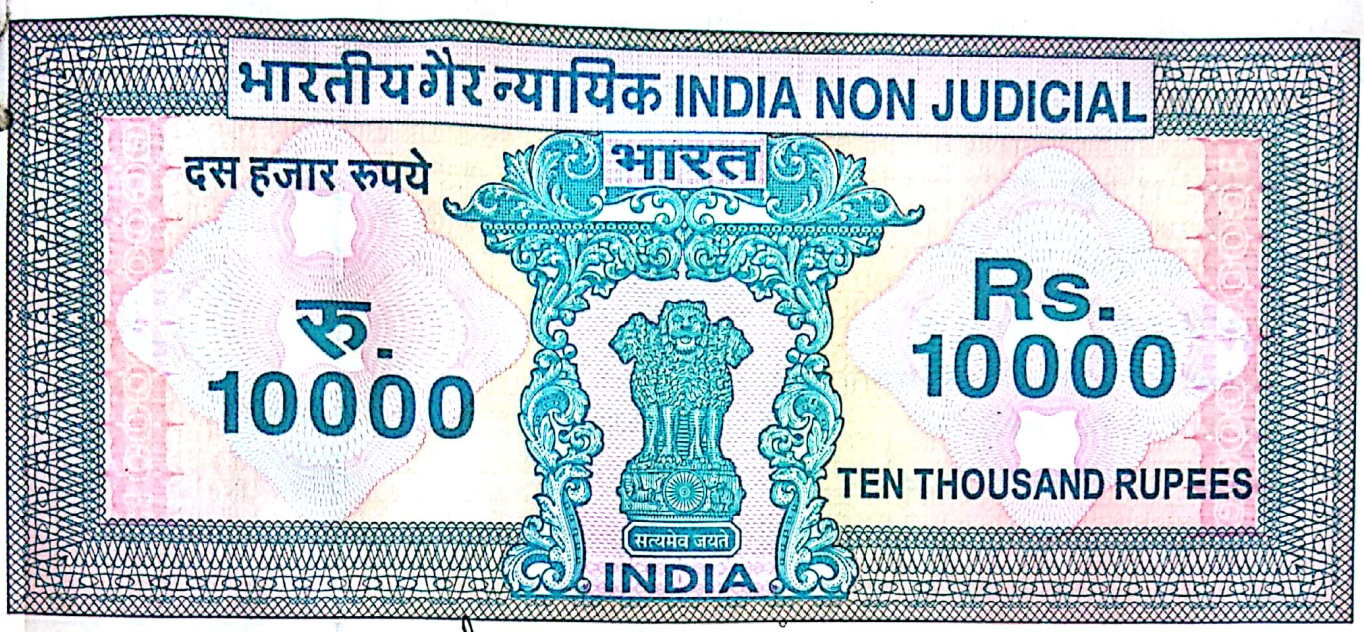

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

745824

14 JUN 2010

3. न्यास का पता :

न्यास का मुख्य कार्यालय 113/2 राजपुर रोड, देहरादून होगा। जो कि न्यास समिति की अनुमति व स्वीकृति से न्यास का कार्यालय बदला जा सकेगा।

4. न्यासिगण का नाम एवं पतें :

1. श्री पवन कुमार पुत्र स्व. श्री हुकुम सिंह
2. श्री चैनपाल सिंह पुत्र स्व. श्री हुकुम सिंह
3. श्रीमति कुसम देवी पत्नी पवन कुमार
4. श्रीमति बाला देवी पत्नी श्री चैनपाल सिंह
5. श्री मोहित पुत्र श्री चैनपाल सिंह
6. श्री इशान्त पुत्र श्री पवन कुमार
7. श्री रोहित पुत्र श्री पवन कुमार

समस्त निवासीगण 20/9 इन्द्रबाबा मार्ग किशनपुर देहरादून।

चैनपालसिंह बालादेवी

पवनकुमार कुसुम

(5)

435 1000
15/6/10

TRUST (IMMOVABLE)

TRUST(IMMOVABLE)

प्रलेख नः **4604**

रजिस्ट्रेशन फीस	पेस्टिंग शुल्क	Electronic Processing Fee	कुल योग	शब्द लगभग
5000.00	10.00	460.00	5470.00	1000

श्री/श्रीमती/कुमारी पवन कुमार

पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री स्व0 हुकुम सिंह

निवासी 20/9 इन्द्रबाबा मार्ग किशनपुर देहरादून

ने आज दिनाँक 15/06/2010 **समय** 5:30:30PM

कार्यालय उप निबन्धक सदर 2 देहरादून

में प्रस्तुत की

पवन कुमार

उपनिबंधक सदर 2 देहरादून

15.06.2010

इस लेखपत्र का निष्पादन उक्त

श्री पवन कुमार ,s/o स्व0 हुकुम सिंह , 20/9 इन्द्रबाबा मार्ग किशनपुर देहरादून /चैनपाल सिंह ,s/o स्व0 हुकुम सिंह , उक्त /कुसु देवी ,w/o पवन कुमार , उक्त /बालादेवी ,w/o चैनपाल सिंह , उक्त

ने स्वीकार किया ।

पहचान श्री आर0एस0राघव

पुत्र श्री

निवासी एडवोकेट देहरादून

श्री आर0एस0बेग

पुत्र श्री

निवासी एडवोकेट देहरादून

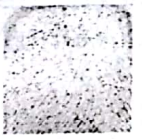

ने की

उपनिबंधक सदर 2 देहरादून

चैनपाल सिंह

बालादेवी

आर0एस0राघव

आर0एस0बेग

पवन कुमार

कुसु देवी

Scanned by CamScanner

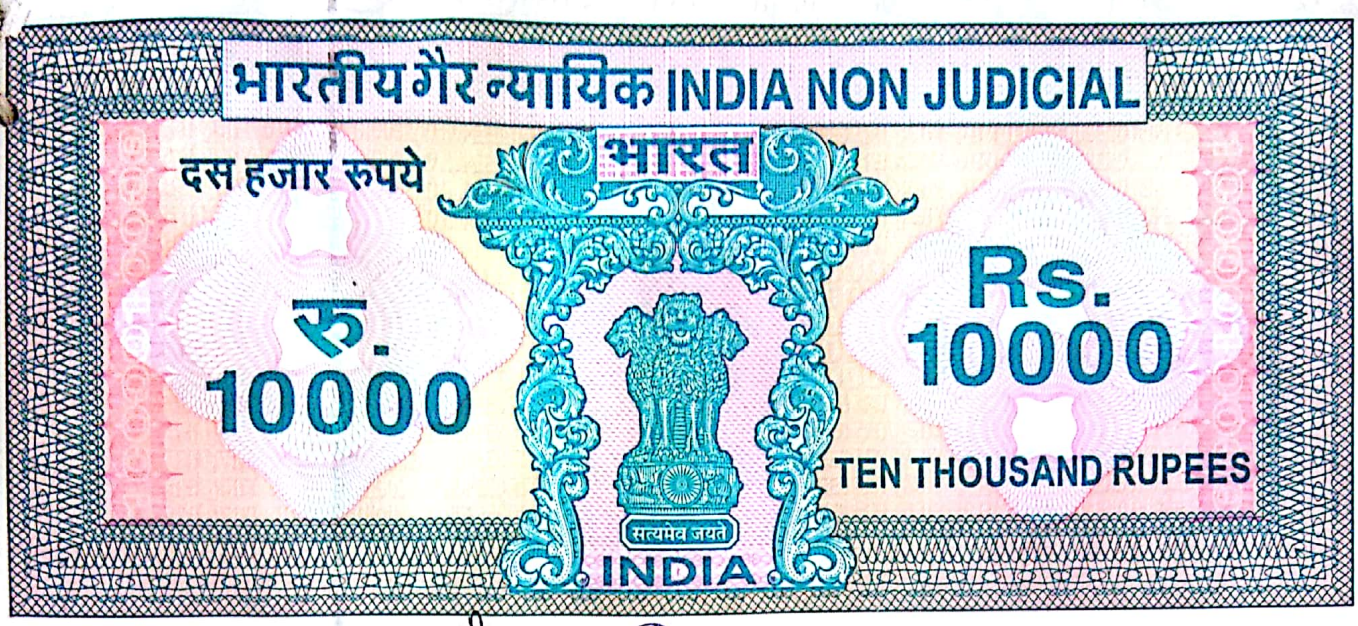

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

745675

14 JUN 2010

5. न्यास के उददेश्य :

यह कि संस्थापकगण के मन में शुरू से ही इच्छा थी कि समाज के समाजिक, आर्थिक, मानसिक, शैक्षिक, खेलकूद कियाओं के उत्थान के लिए कुछ कार्य किए जाए। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए एक न्यास का गठन संस्थापकों द्वारा किया जा रहा है। यह न्यास किसी भी धर्म, जाति, समाजिक एवं राष्ट्रीयताओं के किसी भेद भाव के बिना समानता के सिद्वांतो के मानते हुए कार्य करेंगा। इसके अतिरिक्त न्यास के मुख्य उददेश्य होगे।

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

746046

11 JUN 2010

निर्गत किरा
कोड सं.

I यह कि विश्व विद्यालय अथवा कालेज के स्थापना जिसमें तकनिकी, विधि, प्रबन्धन एवं मैडिकल आदि की शिक्षा प्रदान की जाए।

II यह कि विद्यालय, विश्व विद्यालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि की स्थापना एवं संचालन [illegible] [illegible]गा।

III यह कि उपरोक्त जो भी संस्थान न्यास द्वारा गठित की जाएगी। उसको आर्थिक मदद प्र[illegible] [illegible] जिससे की शिक्षा का स्तर बढ़े एवं आमजन को ज्ञान प्रा[illegible]

चैनपाल सिंह बालादेवी
पवन कुमार कुसुम

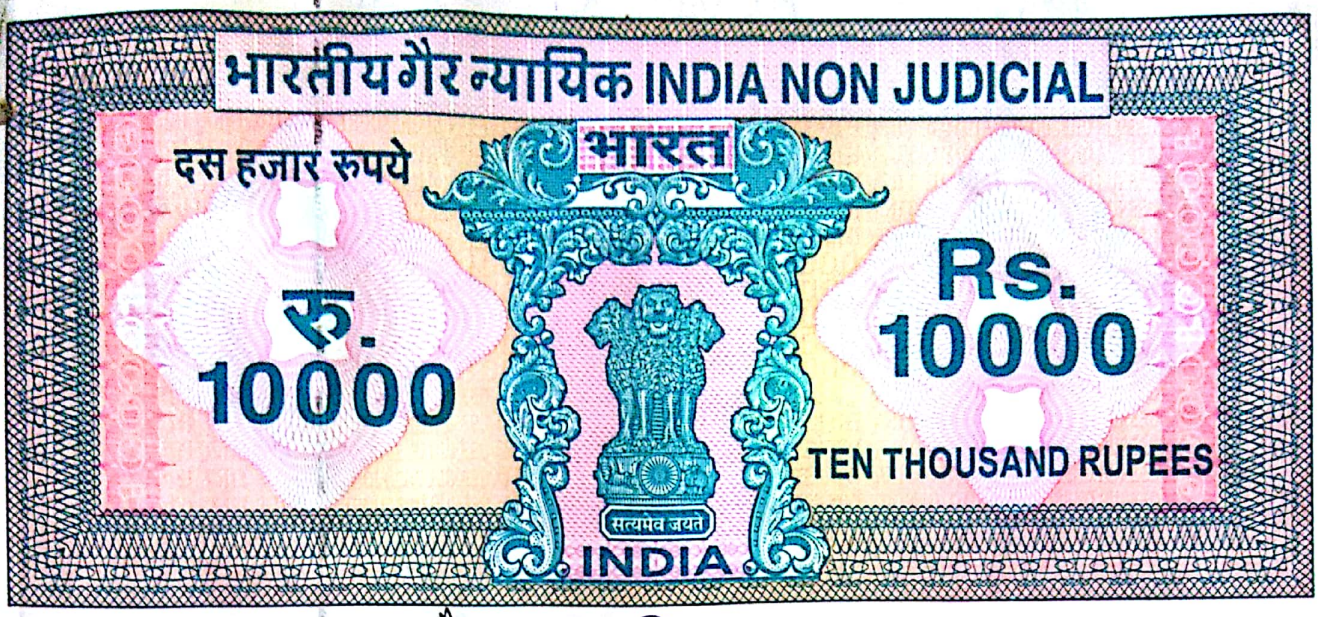

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

(8)

745938

14 JUN 2010

IV यह कि विद्यार्थियों को शिक्षा सम्बंधी हर सुविधा प्रदान करना जैसे, किताबे, छात्रवृति एवं अन्य शिक्षा संबंधी सामग्री प्रदान करना।

V यह कि मानव हित में कार्य करना एवं समाज सेवा को प्रोत्साहित करना।

VI यह कि भारतीय शिक्षा का स्तर बढ़ाना एवं विज्ञान एवं तकनिकी क्षेत्र को बढ़ावा देना।

चैनपालसिंह कालादेवी

पवन कुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

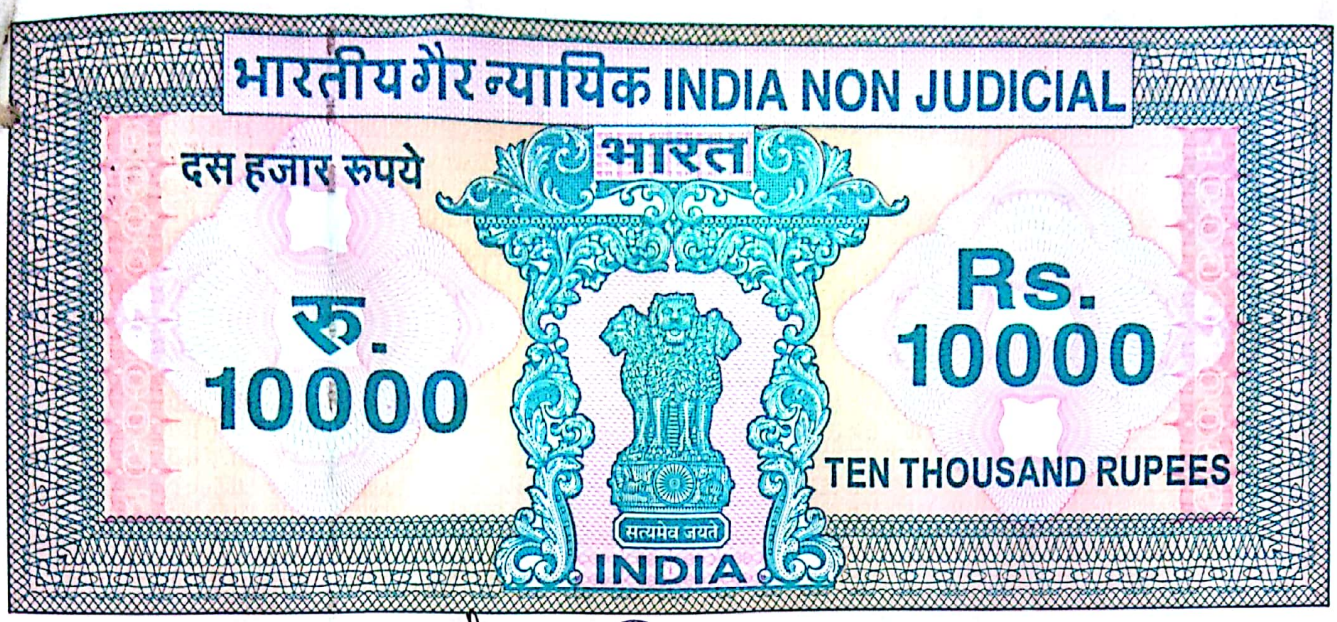

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

745977

मुख्य कोषाधिकारी
कोषागार, देहरादून

14 JUN 2010

VI यह कि समाजिक बुराईयों जैसे गरीबी, जनसंख्या नियंत्रण आदि जैसे समस्या के खिलाफ अभियान चलाना।

VII यह कि समाज के पिछड़े वर्ग को शिक्षा, चिकित्सा, अर्थिक, व्यवसायिक मद्द प्रदान करना।

VIII यह कि खेल–कूद एवं पर्यटन सम्बंधी कियाओं को बढ़ावा देना।

IX यह कि सभी भारतीय भाषाओं एवं उनके साहित्य को बढ़ावा देना।

X यह कि अखबार एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन, मुद्रण व वितरण करना।

चैनपाल सिंह बालादेवी
पवन कुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

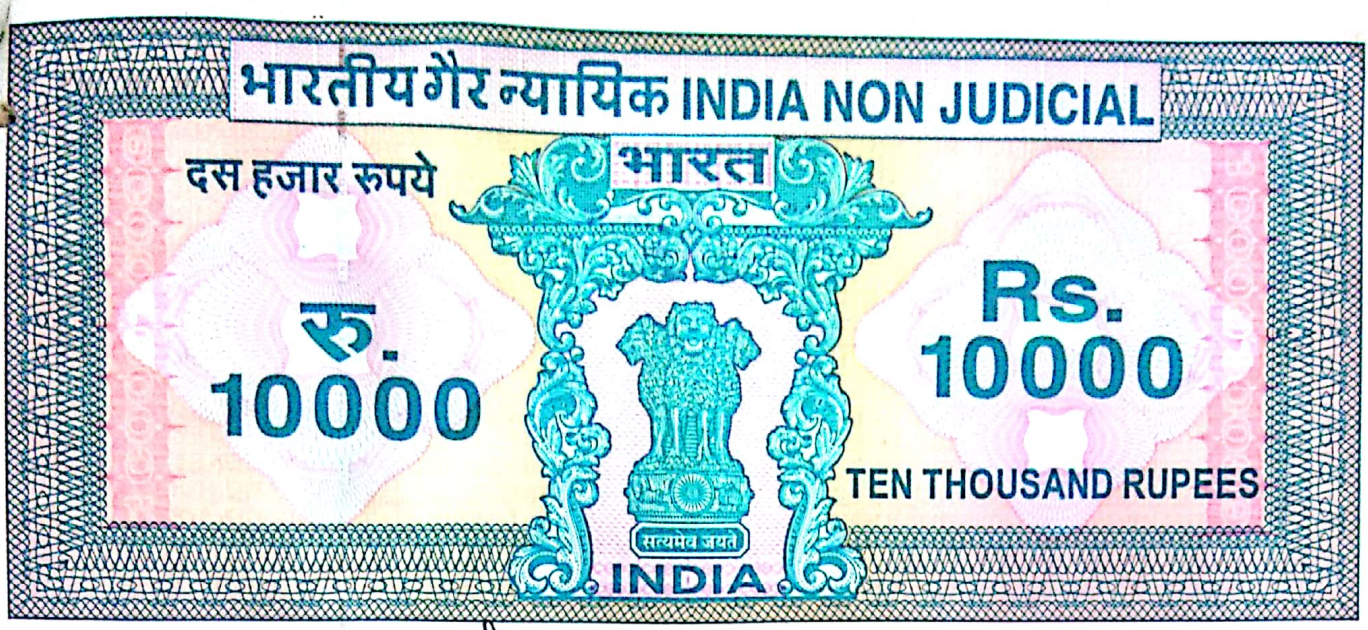

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

10

746112

11 JUN 2010

निर्गत किया
कोड सं. 001

XI यह कि उपभोगताओं को उनके अधिकारों की जानकारी देना एवं अधिकारों के संरक्षण में मदद करना।

इन सभी कार्यों के लिए न्यासियों को संस्थापकगण द्वारा इस न्यास विलेख की सूची में वर्णित सम्पत्ति न्यास सम्पत्ति के रूप में दी गई है। जिसे न्यासी भारत की संविधान में रहते हुए न्यास के उपरोक्त लिखित उददेश्यों की पूर्ति के लिए न्यायहित में न्यास के नाम से उपयोग करेगें।

6. न्यास के अधिकार :

न्यास के उददेश्यों के अतिरिक्त न्यासीगण के पास निम्न अधिकार होगे।

चैनपालसिंह बालादेवी

पवनकुमार कुसुम

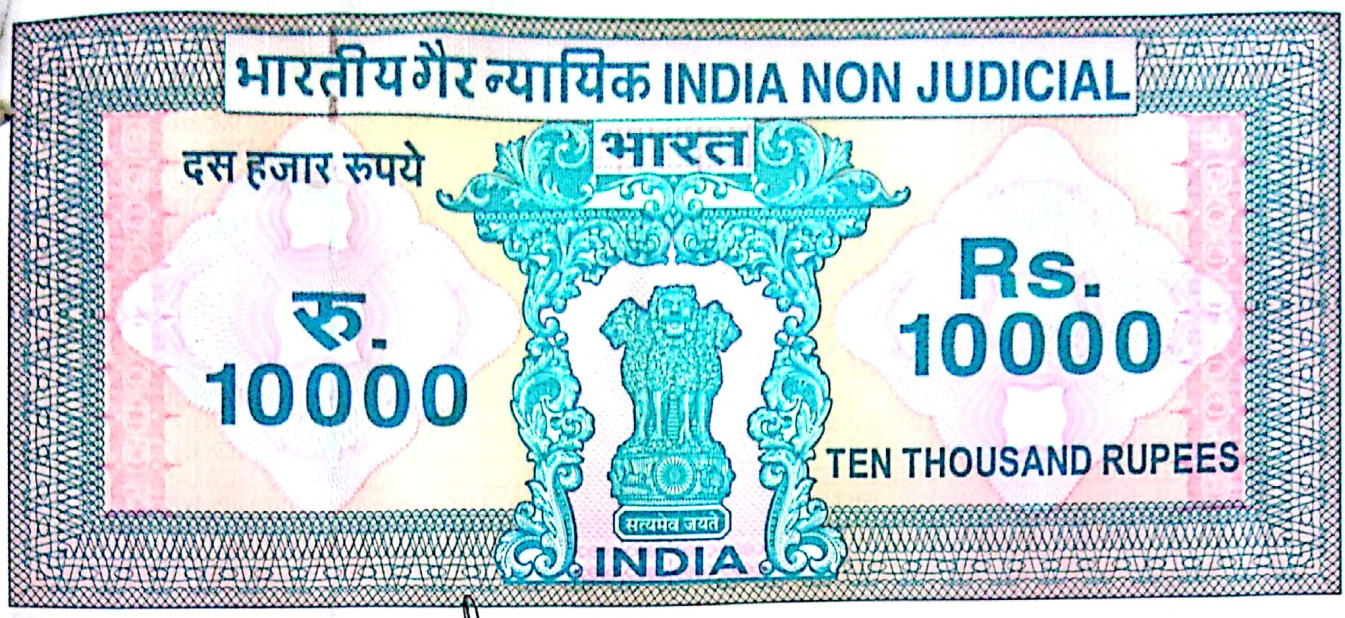

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

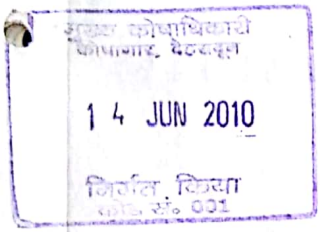

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

(1)

745577

मुख्य कोषाधिकारी
कोषागार, देहरादून

14 JUN 2010

निर्गत किया

I यह कि किसी भी व्यक्ति, संगठन एवं न्यास से कोई भी दान अथवा अर्थिक सहायता शर्त अथवा उसके बिना प्राप्त करना।

II यह कि न्यास कोष अथवा न्यास को प्राप्त होने वाली धनराशि अंश में या पूर्ण रूप से न्यास के उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करना।

III यह कि न्यास सम्पत्ति अथवा न्यास को प्राप्त हुई धनराशि इस्तेमाल करना एवं उसे अचल सम्पत्ति में बदलना।

IV यह कि न्यास कोष में जमा धनराशि को निवेश करना अथवा जमा करना अथवा किसी भी कम्पनी बैंक, फर्म को लोन पर देना।

IV यह कि न्यास की अचल सम्पत्ति को किराए पर देना अथवा विक्रय करना। ऐसी शर्तों पर जैसा की न्यासीगण सही समझें।

Scanned by CamScanner

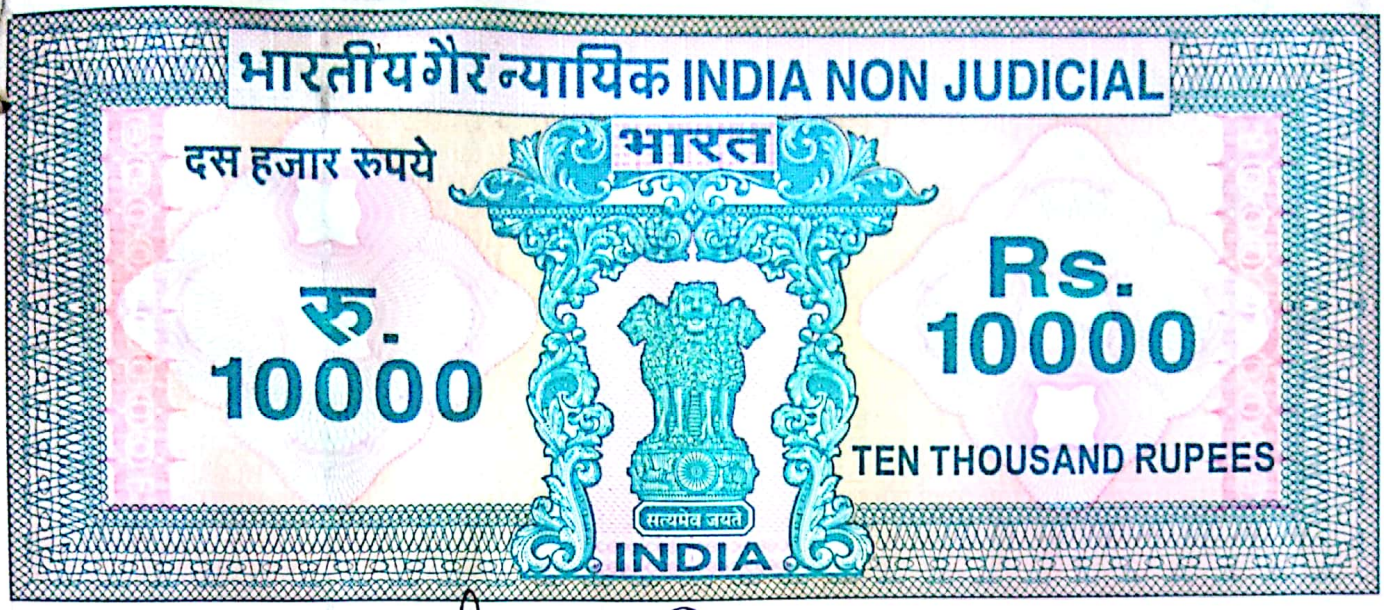

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

दस हजार रुपये

भारत

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

(12)

746922

11 JUN 2010

7. न्यास समिति का गठन एवं अधिकार :

I यह कि संस्थापकगण एवं न्यासीगण मिलकर न्यास समिति का गठन करेगें।

II यह कि न्यास के प्रशासन, प्रबंधन, संरक्षण, नियंत्रण व न्यास के समस्त कार्य न्यास समिति द्वारा किए जाएगे।

III यह कि न्यासी न्यास समिति में प्रस्ताव पास कर न्यास के उददेश्यों की पूर्ती के लिए नई संस्थाओं के निर्माण कर सकेगी और उनके सुचारू प्रबंधन के लिए उपसमितियों को गठन कर सकेगी और सुचारू प्रबंधन न कर पाने की दशा में न्यास समिति द्वारा इन संस्थाओं की समितियों को भंग कर नई उपसमितियों को गठन कर सकेगी।

Scanned by CamScanner

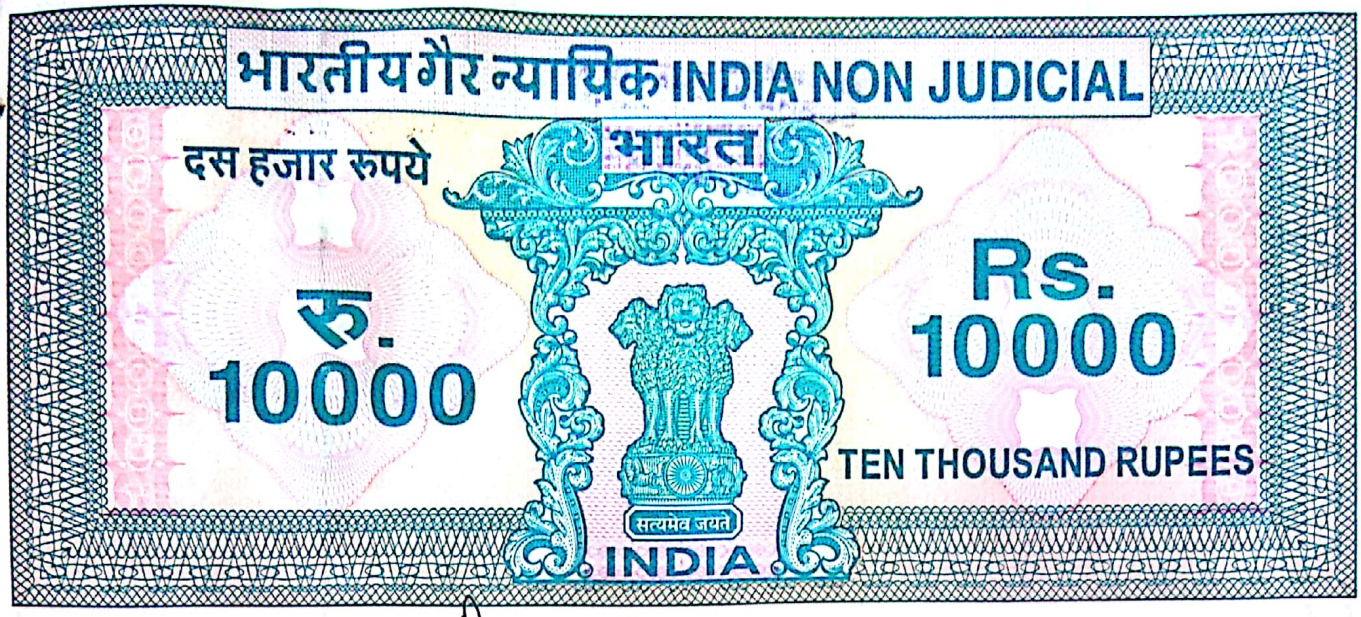

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

दस हजार रुपये

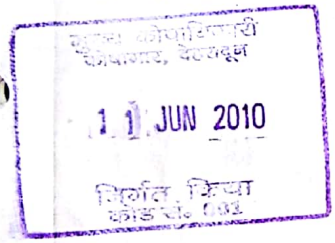

भारत

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND (12) 746890

11 JUN 2010

VI यह कि न्यास कोष से सम्बंधित किसी भी वाद, क्लेम, मांग आदि को विवाचक को सौंपना अथवा उससे सम्बंधित सुलह करना।

VII यह कि न्यास के कार्यो के लिए सामान्य प्रतिनिधि नियुक्त करना अथवा ऐसे प्रतिनिधियों को न्यास के उददेश्यों के हित के लिए अपने अधिकार सौपना।

VIII यह कि न्यास के पदाधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति एवं उनके नियुक्ति से सम्बंधित नियमों का गठन करना।

IX यह कि किसी भी सरकारी कार्यालय में न्यास की ओर से उपस्थित होना अथवा उसका प्रतिनिधित्व करना।

X यह कि न्यास का हस्तांतरण अथवा उसका अद्धयासन किसी भी सुसाईटी, संगठन, न्यास आदि को ऐसी शर्तो पर सौपना जैसा न्यासीगण को उचित लगे।

पवनकुमार चौनपालसिंह बालादेवी कुसुम

Scanned by CamScanner

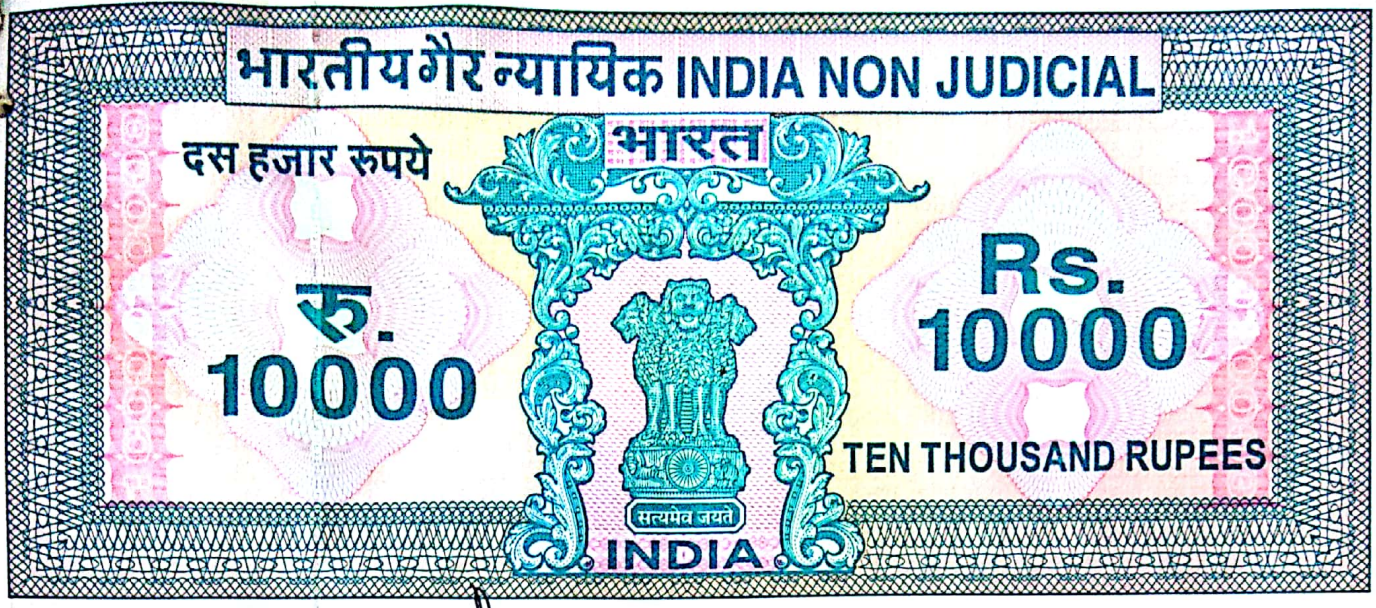

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

(14)

746731

कोषाधिकारी
कोषागार, देहरादून
11 JUN 2010
निर्गत किया
कोष. सं. 001

8 अ. प्रत्येक न्यासी को अधिकार होगा कि वह अपनी इच्छा अनुसार पदत्याग सकता है। ऐसा करने से पूर्व एक माह पूर्व सूचना प्रदान करना आवश्यक होगा।

9. न्यास की पूंजी :
सूची में वर्णित सम्पत्ति के साथ ट्रस्ट का सृजन किया जा रहा है। सूची में वर्णित सम्पत्ति के समस्त अधिकार ट्रस्ट को समर्पित किए जा रहे है।

10. सूची सम्पत्तियां :
भूमि स्थित खसरा संख्या 234, कुल रकबा 0.1912 है0, खसरा संख्या 235 क, रकबा 0.093 है0, खसरा सख्या 235 ख, रकबा 0.0188 है0, खसरा संख्या 307 क, रकबा 0. 2560 है0, खसरा सख्या 307 ख, रकबा 0.1552 है0 कुल रकबा 0.7142 है0, स्थित मौजा मेहूवाला माफी परगना केन्द्र दून जिला देहरादून।

पवन कुमार चौधरी

चौधरी बाला देवी
पवन कुमार कुसुम

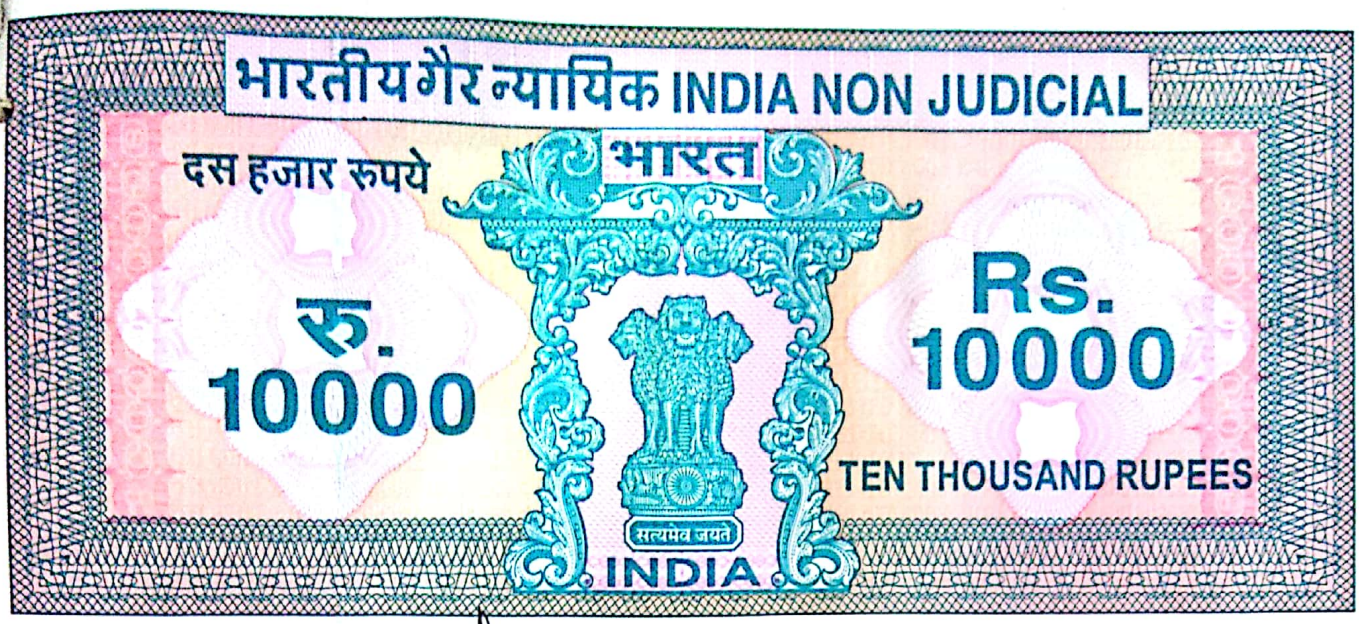

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

दस हजार रुपये

भारत

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

(15)

745711

14 JUN 2010

III यह कि न्यासी, न्यासियों की कुल संख्या के 1/4 संख्या के निवेदन पर कभी भी न्यास समिति के बैठन बुलाने का निवेदन अध्यक्ष से कर सकती है। जिसपर अध्यक्ष 15 दिन से पूर्व सूचना देकर बुलाएगा।

IV यह कि न्यास समिति जरूरत के अनुसार नियम उपनियम बना सकती है या बदल सकती है। न्यास समिति के अतिरिक्त किसी को भी न्यास के नियम एवं उपनियम बदलने का अधिकार नहीं होगा।

V यह कि न्यास समिति को न्यासियों को बदलने की विधि संस्थापकगण के द्वारा तय होगी एवं मान्य समझी जाएगी।

8. न्यास की सम्पत्तियों का नियंत्रण :

यह कि न्यास की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों पर न्यास समिति का नियंत्रण होगा।

पवांकुमार चौनपालसिंह बालादेवी कुसुम

Scanned by CamScanner

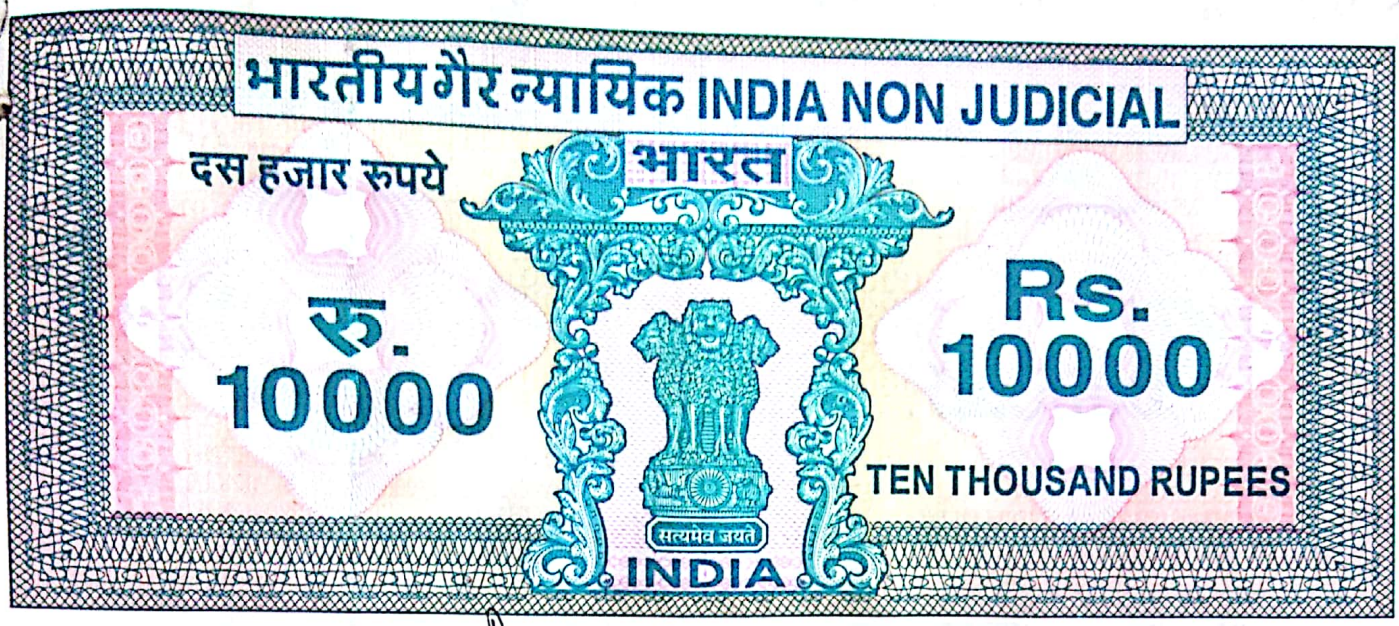

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

दस हजार रुपये

रु. 10000

Rs. 10000

TEN THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

(16)

745845

14 JUN 2010

11. स्टाम्प शुल्क :

यह कि इस विलेख की सूची मे वर्णित भूमि का क्षेत्र 0.7142 है0 है। जिसका सर्किल रेट 55,00000/- रुपये प्रति है0 की दर से कीमत अंकन 39,28,100/- अर्थात 39,29,000/- रुपये निर्धारित होती है। जिसपर नियम अनुछेद 64 सपठित अनुछेद 55 स्टाम्प अधिनियम के अनुसार 4 प्रतिशत की दर से 1,57,160/- अर्थात 1,58,000/- का स्टाम्प शुल्क अदा किया जा रहा है।

चैनपाल सिंह कालादेवी
पवनकुमार
कुसुम

Scanned by CamScanner

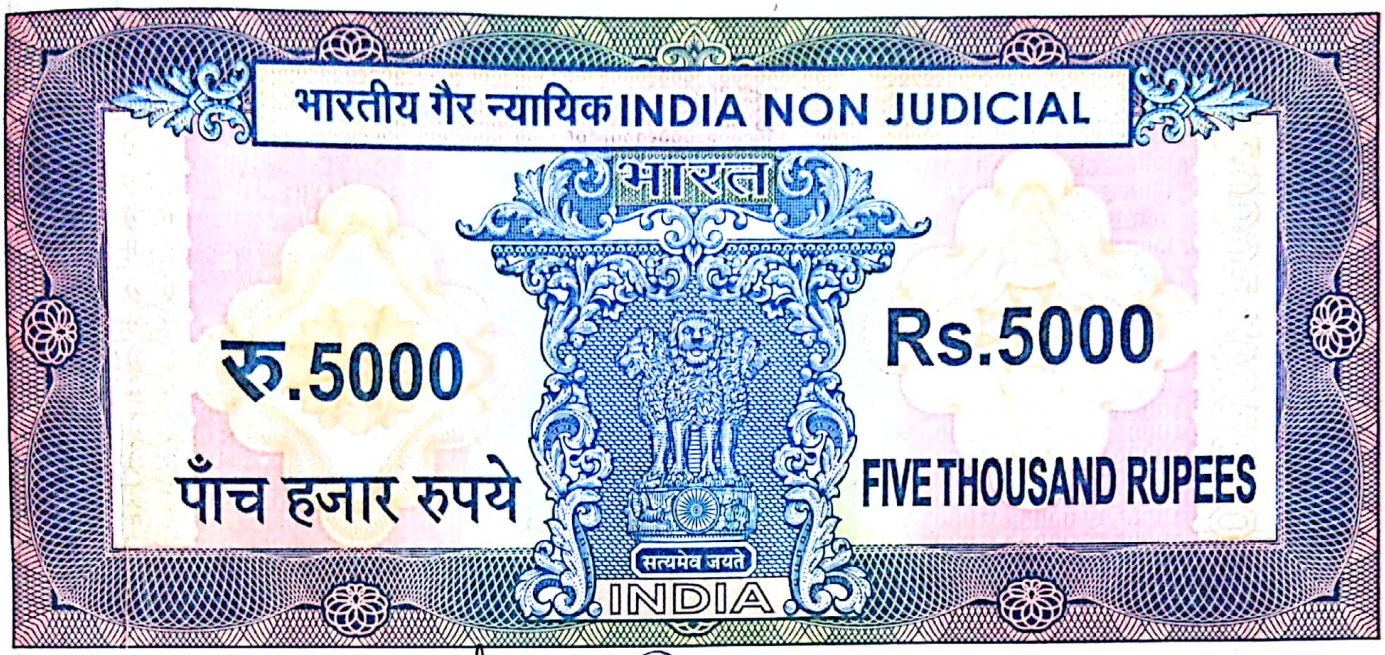

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तरांचल UTTARANCHAL (17) 210398

11 JUN 2010

जोकि यह कि न्यास के सम्बंध में क्षेत्राधिकार केवल जिला देहरादून न्यायालय को ही प्राप्त होगा।

अतः यह न्यास विलेख आज दिनांक 15.06.2010 स्थान देहरादून में समक्ष गवाहन व संस्थापकों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

चैनपाल सिंह बालादेवी

पवन कुमार कुसुम

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

उत्तरांचल UTTARANCHAL (18) A 439574

11 JUN 2010

[illegible]

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32-ए के अनुपालन हेतुः-

संस्थापक सं0 1 का नाम श्री पवन कुमार

संस्थापक के बायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ	अंगुली	अंगुली	अंगुली	अंगुली

चैनपाल सिंह बाला देवी

पवन कुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

उत्तरांचल UTTARANCHAL (19) A 439575

11 JUN 2010

निर्गत किया

संस्थापक के दायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

चैनपाल सिंह बालादेवी

पवनकुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

सत्यमेव जयते

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

A 439571

कोषागार, देहरादून (उत्तरांचल)

JUN 2010

उत्तरांचल UTTARANCHAL

(20)

संस्थापक सं0 2 का नाम श्री चैनपाल सिंह पुत्रगण

संस्थापक के बायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

संस्थापक दायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

चैनपालसिंह कोमलादेवी

पवनकुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

कोषागार, देहरादून

उत्तरांचल UTTARANCHAL

11 JUN 2010

A 439572

संस्थापक सं0 3 का नाम श्रीमति कुसुम देवी

संस्थापक के बायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

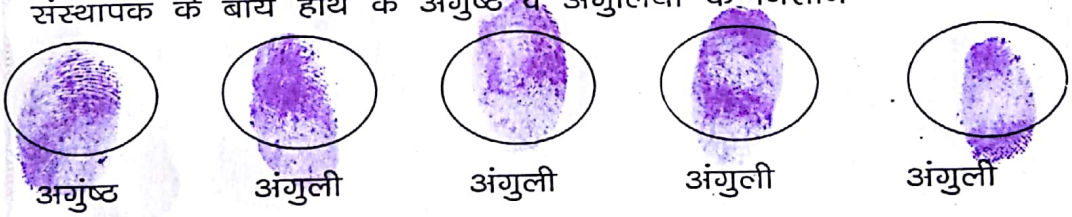

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

संस्थापक दायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

चैनपाल सिंह वाला देवी

पवार कुमार कुसुम

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

सत्यमेव जयते

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

A 439573

उत्तरांचल UTTARANCHAL

कोषागार, देहरादून

11 JUN 2010

(22)

संस्थापक सं0 4 का नाम श्रीमति बाला देवी

संस्थापक के बायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

संस्थापक दायें हाथ के अगुंष्ठ व अंगुलियों के निशान

अगुंष्ठ अंगुली अंगुली अंगुली अंगुली

बाला देवी

कुसुम

Scanned by CamScanner

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500 FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

कोषागार, देहरादून

उत्तरांचल UTTARANCHAL

23

A 439576

1 1 JUN 2010

निर्गत, विक्रेता कोड सं. 001

साक्षीगण :-

1. .... आर० एस० राघव

.... (अधि०)

....

2. .... आरिफ बेग

.... (अधि०)

....

पक्षकारो ने एक दूसरे की शिनाख्त की तथा पक्षकारो द्वारा प्रस्तुत तथा बतायें गये तथ्यो के आधार पर इस प्रपत्र की रचना की गयी । पक्षकारो ने स्वंय के चित्रण पुष्ट किये।

रचियता :- आर.एस. राघव अधिवक्ता कोर्ट परिसर, देहरादून(उत्तराखण्ड)

पक्षकार - चौधरी ... बालादेवी कुसुम

Scanned by CamScanner

585/6 500

15/6/10

585/1

Umesh Gupta
Stamp Vendor
Dehra Dun

न्यासकर्ता न्यासी गवाह

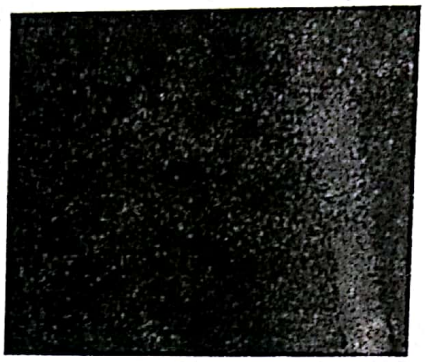

बही न. 1 जिल्द 3192 पृष्ठ 285 से 330

में न. 4604 पर आज दिनांक 15/06/2010 में रजिस्ट्री की गई ।

उप निबन्धक सदर 2 देहरादून

CROUN 1.0 NIC UTTARANCHAL

Scanned by CamScanner